संगीत एवं प्रदर्शन कला विभाग

इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज

द्वारा आयोजित

अन्तर–राष्ट्रीय संगोष्ठी

संगीत एवं अन्य विधाओं में नवाचार

दिनांक– 5 व 6 फरवरी 2024

समय– प्रातः 10 बजे से

स्थान

स्वरांगन व्याख्यान कक्ष

संगीत एवं प्रदर्शन कला विभाग
इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज

संयोजिका
प्रो० रेनू जौहरी

विषय प्रवर्तन

संगीत एवं अन्य विधाओं में नवाचार

नवीनता में विशेष आकर्षण होता है। यह सबको प्रिय होती है। यह परिवर्तन की पोषक है। सृष्टि की जड़ता को हटाते हुए एक उल्लासमय वातावरण को जन्म देती है। नई राहें खोजते हुए प्रगति की ओर अग्रसर करती है। परिवर्तन सृष्टि का नियम है। वस्तुतः नवीनता परिवर्तन का द्योतक है। संगीत में जो नित्य रोचकता व सजीवता बनी हुई है वह समयानुसार नवीनतायें धारण करने के कारण ही है। वैदिक काल का संगीत तीन–चार स्वरों का मात्रिक संगीत/ छन्द गणना हेतु अंगुलियों का प्रयोग कतिपय सुर वाद्यों से सजा धार्मिक/आध्यात्मिक संगीत कालान्तर में जाति–गायन, से सुशोभित हुआ, विभिन्न प्रकार के वाद्यों का 'चतुर्विध वर्गीकरण हुआ व उनका सांगीतिक उपयोग हुआ। मध्यकाल में विशेषकर उत्तर भारतीय संगीत में विभिन्न संस्कृतियों के सम्मिश्रण से नवीन गायन, वादन व नृत्य शैलियों का सूत्रपात हुआ। विगत पाँच सौ–छः सौ वर्षों में यह अत्यंत पुष्ट हुआ। पुनः परिवर्तन की बेला आई है। वैज्ञानिक युग में तकनीकि सहयोग से संगीत मे भी परिवर्तन परिलक्षित होता है। इस सरसता को बनाए रखने हेतु नवाचार की आवश्यकता है। इसके माध्यम से संगीत को नये स्वरूप में प्रस्तुत करना है। विद्यार्थी/शोधार्थी जो युवा पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं, उनके माध्यम से ही नवाचार सम्पन्न होना है।

विगत पाँच सौ, छः सौ वर्षों में संगीत का जो स्वरूप बना उसमें ठहराव की स्थिति को समाप्त करना है।नवीन सृजनात्मक, रचनात्मक गतिविधियों को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में गतिमान करना है। ज्ञान की अन्य विधाओं में यहीं स्थिति है। उक्त संगोष्ठी के माध्यम से व्यापक विचार–विमर्श के उपरान्त नव गतिविधियों के क्रियान्वयन/संचरण की योजनाएं बनेंगी एवं फलीभूत भी होंगी ऐसा विश्वास है।

संगीत एवं अन्य विधाओं में नवाचार
उपविषयों की सूची

1. संगीत एवं अन्य विधाओं में नवाचार की आवश्यकता
2. संगीत में नवाचार की सम्भावना
    - गायन के सन्दर्भ में
    - वादन के सन्दर्भ में
    - नृत्य के सन्दर्भ में
    - चिकित्सा के सन्दर्भ में
    - तकनीकि के सन्दर्भ में
    - नवीन बंदिशों का सृजन
    - पत्रकारिता के सन्दर्भ में
3. संगीत का अन्य विषयों के साथ समायोजन
4. परिवर्तन एवं नवाचार में सम्बन्ध
5. शिक्षको की नवाचार में भूमिका
6. शोधार्थियों की नवाचार में भूमिका
7. विद्यार्थियों की नवाचार में भूमिका
8. नवाचार हेतु पारिवारिक / सामाजिक परिवेश की भूमिका
9. नवाचार सम्बन्धित समस्याएं एवं समाधान
10. विद्यालयों व विश्वविद्यालयों में नवाचार
11. सरकार द्वारा विभिन्न विषयों के नवाचार हेतु चलायी जाने वाली योजनायें
12. अन्य सम्बन्धित विषय

शोध प्रपत्र भेजने हेतु निर्देश–

1. शोध प्रपत्र/लेख– हिन्दी में कृतिदेव–10 फॉन्ट साइज़–14 अथवा अंग्रेजी में टाइम्स रोमन, फॉन्ट साइज़–12 में स्वीकृत किये जायेंगे, प्रपत्र संस्कृत अथवा अन्य भारतीय भाषाओं में भी मान्य होंगे।

2. अधिकतम शब्द सीमा– 2500

3. सारांश 150 शब्द व 4–5 मुख्य शब्द

4. मौलिक व अप्रकाशित शोध प्रपत्र/लेख ही प्रकाशित हो सकेंगे।

5. शोध प्रपत्र/लेख PDF व World file दोनों format में भेजें।

6. प्रपत्र भेजने के लिये ई.मेल आई. डी.–

innovationinmusicseminar@gmail.com

7. प्रपत्र भेजने की अन्तिम तिथि – 31 जनवरी 2024

पंजीकरण शुल्क–
शिक्षकों के लिए– 2500/–
शोधार्थियों के लिए– 1700/–
विद्यार्थियों के लिए– 600/–
शुल्क जमा करने हेतु
गूगल पे व फोन पे नम्बर– 9198328939

https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLScdMOxjuBj-dP-x81F571p2uTJjM5QhcxeftOlaqLJzrWMBYQ/viewform?usp=sf_link

For offline registration contact no.
Prof.Renu Johri – 9198328939
Kamini Nishad – 9519400816
Keerti Mahendra – 8736895034
Pronnati Tiwari – 7850860748
Pratyush Kumar Gupta - 9118016318